



**RAJASTHAN JUDICIAL SERVICE (RJS) PRELIMS 2018**

1. राजस्थान किराया नियंत्रण अधिनियम, 2001 के प्रावधानों के अन्तर्गत एक भूस्वामी उसके द्वारा किराये पर दिये गये परिसर को निरीक्षण करने का अधिकार रखता है। निरीक्षण के संदर्भ में निम्न में से कौनसा कथन गलत है?/Under the provisions of Rajasthan Rent Control Act, 2001, a landlord has a right to inspect the premises let out by him. Which of the following statement with reference to the inspection is incorrect?
- (a) निरीक्षण केवल दिन के समय में ही किया जा सकता है।/The inspection can be done during day time only.  
(b) किरायेदार को कम से कम तीन दिवस की पूर्व सूचना देना आवश्यक है।/A prior intimation of at least three days to the tenant is necessary.  
(c) ऐसा निरीक्षण तीन माह में एक बार से अधिक नहीं किया जा सकता है।/Such inspection can be carried out not more than once in three months.  
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं।/None of the above [b]
2. "लोक उत्पात" का वाद संस्थित किया जा सकता है;/A suit alleging 'public nuisance' can be instituted by;
- (A) राज्य के महाधिवक्ता द्वारा।/Advocate General of the State.  
(B) दो या अधिक व्यक्तियों द्वारा, जिन्हें नुकसान कारित हुआ है।/By two or more persons, who have suffered the damage.  
(C) दो या अधिक व्यक्तियों द्वारा, यद्यपि उन्हें कोई विशेष नुकसान कारित ना हुआ हो, न्यायालय की अनुमति से।/By two or more persons, with the leave of the Court, even though no special damage has been caused to them.  
(D) स्थानीय निकाय के सदस्य द्वारा।/A member of the local body.
- निम्न में से कौनसा संयोजन सही है?/Which of the following combination is correct?
- (a) (A) & (B)  
(b) (A) & (C)  
(c) (B) & (D)  
(d) (C) & (D) [b]
3. अशोक एक मकान पांच वर्षों के लिये भरत को किराये पर देता है। भरत उक्त मकान को 2000/- रुपये प्रतिमाह पर उप-किराये पर किशोर को दे देता है। पांच वर्ष व्यतीत हो जाते हैं परन्तु किशोर निरन्तर उक्त मकान पर काबिज है तथा अशोक को किराया अदा करता रहता है। किशोर की स्थिति क्या है?/Ashok lets a house to Bharat for five years. Bharat underlets the house to Kishore at a monthly rent of Rs. 2,000/-. The five years expire, but Kishore continues in possession of the house and pays the rent to Ashok. What is the status of Kishore?
- (a) आस्थगित किरायेदार/Tenant holding over  
(b) अतिक्रमी/Trespasser  
(c) अप्राधिकृत कब्जाधारक/Possession is unauthorised  
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above [a]
4. राज्य की कार्यकारी शक्ति निहित है;/The executive power of the State is vested in:
- (a) राज्य के मुख्य सचिव में/Chief Secretary of the State  
(b) राज्य के मुख्यमंत्री में/Chief Minister of the State  
(c) मुख्य कार्यकारी अधिकारी में/Chief Executive Officer  
(d) राज्यपाल में/The Governor [d]
5. महिला के विरुद्ध पारित धन के संदाय की डिक्री निष्पादित नहीं की जा सकती है;/Decree for payment of money passed against a woman cannot be executed;
- (a) यदि महिला की मृत्यु हो जाती है तो उसके विधिक प्रतिनिधियों के विरुद्ध कार्यवाही द्वारा/by proceeding against her legal representatives, if she dies.  
(b) उसकी सम्पत्ति की कुर्की तथा विक्रय द्वारा/by attachment and sale of her property.  
(c) एक प्रापक की नियुक्ति द्वारा/by appointing a receiver.  
(d) उसकी गिरफ्तारी और कारागार में निरोध द्वारा/by her arrest and detention in prison. [d]
6. "जहां वादी अपने दावे के किसी भाग के बारे में वाद लाने का लोप करता है या उसे साशय त्याग देता है, वहां उसके पश्चात वह इस प्रकार लोप किये गये या त्यक्त भाग के बारे में वाद नहीं लायेगा"। इस सिद्धान्त की उत्पत्ति निहित है;/ "Where a plaintiff omits to sue in respect of, or intentionally relinquishes any portion of his claim, he shall not afterwards sue in respect of the portion so omitted or relinquished". The genesis of this principle lies in;
- (a) भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 की धारा 115 में/Section 115 of the Indian Evidence Act, 1872  
(b) व्यवहार प्रक्रिया संहिता, 1908 की धारा 11 में/Section 11 of the Code of Civil Procedure, 1908  
(c) व्यवहार प्रक्रिया संहिता, 1908 के आदेश II नियम 2 में/Order II Rule 2 of the Code of Civil Procedure, 1908  
(d) व्यवहार प्रक्रिया संहिता, 1908 के आदेश I नियम 2 में/Order I Rule 2 of the Code of Civil Procedure, 1908 [c]
7. आदेश VII नियम 11 व्यवहार प्रक्रिया संहिता, 1908 के प्रावधानों के अन्तर्गत वादपत्र के नामजूर किए जाने पर, उसी वाद हेतुक के बारे में नया वादपत्र प्रस्तुत करना;/On rejection of plaint under provisions of Order VII Rule 11 Code of Civil Procedure, 1908, presenting of a fresh plaint in respect of the same cause of action, is;
- (a) प्राइन्त्याय के सिद्धान्तों द्वारा वर्जित है।/Barred by principles of Res judicata.





- (b) केवल नामजूरी के कारण ही, वादी नया वादपत्र प्रस्तुत करने से प्रवारित नहीं हो जाएगा।/On its own force, does not preclude the plaintiff from presenting a fresh plaint.
- (c) आदेश XXIII के अन्तर्गत वर्जित है।/Barred under Order XXIII.
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं।/None of the above [b]
8. 'Rule in Heydon's case', के रूप में भी जाना जाता है;/'Rule in Heydon's case' is also known as;
- (a) सप्रयोजन अर्थान्वयन/Purposive construction
- (b) संविधि से अनुपबंधित विषय/Casus omissus
- (c) शाब्दिक अर्थान्वयन/Literal construction
- (d) समरसतापूर्ण अर्थान्वयन/Harmonious construction [a]
9. भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 लागू होता है;/'The Indian Evidence Act, 1872 applies to;
- (a) मध्यस्थ के समक्ष कार्यवाहियों पर/Proceedings before an arbitrator.
- (b) विभागीय कार्यवाहियों पर/Departmental proceedings
- (c) न्यायालयों के समक्ष न्यायिक कार्यवाहियों पर/Judicial proceedings before courts.
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं।/None of the above [c]
10. निम्न में से कौन, महाधिवक्ता नियुक्त नहीं किया जा सकता है;/'Who amongst the following cannot be appointed as Advocate General;
- (a) 66 वर्ष की आयु का एक अधिवक्ता/An advocate of 66 years of age.
- (b) एक अधिवक्ता, जिसने उस राज्य में वकालत नहीं की हो/An advocate who has not practiced in such State.
- (c) एक अधिवक्ता, जिसकी 07 वर्ष की वकालत हो।/An advocate having 07 years of practice at Bar.
- (d) उपरोक्त सभी/All of the above [c]
11. निम्न में से कौनसा कथन गलत है;/'Which of the following statement is incorrect?
- (a) बिना प्रतिफल के किया गया करार हर परिस्थिति में शून्य होता है।/An agreement made without consideration is void irrespective of the circumstances.
- (b) ऐसा प्रत्येक करार शून्य है जो अप्राप्तवय से भिन्न किसी व्यक्ति के विवाह के अवरोधार्थ है।/Every agreement in restraint of marriage of any person, other than minor, is void.
- (c) ऐसा प्रत्येक करार, जिससे कोई व्यक्ति किसी प्रकार की विधिपूर्ण वृत्ति, व्यापार या कारोबार करने से अवरुद्ध किया जाता है, उस विस्तार तक शून्य है।/Every agreement by which anyone is restrained from exercising a lawful profession, trade or business of any kind, is to that extent void.
- (d) वे करार, जिनका अर्थ निश्चित नहीं है अथवा निश्चित किया जाना शक्य नहीं है, शून्य है।/Agreements, the meaning of which is not certain or capable of being made certain, are void. [a]
12. परिसीमा अधिनियम, 1963 के प्रयोजनार्थ अर्किचन की दशा में वाद संस्थित होता है;/'For the purpose of Limitation Act, 1963, a suit in the case of a pauper, is instituted;
- (a) जब समुचित कार्यालय में वादपत्र प्रस्तुत किया जाता है।/When the plaint is presented to the proper office.
- (b) जब अर्किचन के रूप में वाद लाने की अनुमति का आवेदन किया जाता है।/When application for leave to sue as a pauper is made.
- (c) जब अर्किचन के रूप में वाद लाने की अनुमति का आवेदन पत्र स्वीकार किया जाता है।/When the application seeking leave to sue as a pauper is granted.
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं।/None of the above. [b]
13. निम्न में से कौनसी संविदा का प्रवर्तन कराया जा सकता है;/'Which of the following contracts can be enforced?
- (a) वह संविदा जिसके अपालन के लिये प्रतिकर एक यथायोग्य अनुतोष हो।/A contract for the non-performance of which compensation is an adequate relief.
- (b) वह संविदा जो अपनी प्रकृति से ही पर्यवसेय हो।/A contract which is in its nature determinable.
- (c) वह संविदा जिसके पालन में सतत् कर्तव्य का पालन अन्तर्विलित हो।/A contract the performance whereof involves the performance of a continuous duty.
- (d) फर्म के एक भागीदार के हिस्से का क्रय।/Purchase of a share of a partner in a firm. [b]
- \* Deleted
14. सम्पत्ति अन्तरण अधिनियम, 1882 की धारा 43 जो कि अप्राधिकृत व्यक्ति, जो अन्तरित अचल सम्पत्ति में बाद में हित अर्जित कर लेता है, के द्वारा किये गये अन्तरण से सम्बन्धित है, सिद्धान्त को रेखांकित करता है;/'Section 43 of the Transfer of Property Act, 1882, which deals with transfer by unauthorised person who subsequently acquires interest in immovable property transferred, underlines doctrine of;
- (a) अनुयोज्य दावे/Actionable claims
- (b) विलेख द्वारा विबन्धन/Estoppel by deed
- (c) चुनाव द्वारा विबन्धन/Estoppel by election
- (d) अग्रक्रयाधिकार का अधिकार/Right of pre-emption [b]
15. व्यवहार प्रक्रिया संहिता, 1908 में कौनसा प्रावधान पुनर्विलोकन के आवेदन पर किये गये आदेश के या पुनर्विलोकन में पारित डिक्री या किये गये आदेश के पुनर्विलोकन के लिये आवेदन ग्रहण करने को वर्जित करता है;/'Which provision in Code of Civil Procedure, 1908 bars entertainment of application to review an order made on an application for a





review or a decree or order passed or made on a review;

- धारा 11/Section 11
- धारा 10/Section 10
- आदेश XLVII नियम 9/Order XLVII Rule 9
- आदेश IX नियम 9/Order IX Rule 9

[c]

16. राजस्थान किराया नियंत्रण अधिनियम, 2001 का कौनसा प्रावधान सीमित कालावधि की किरायेदारी करने की अनुज्ञा देने और कब्जे की पुनः प्राप्ति का प्रमाण-पत्र देने को संव्यवहारित करता है?/Which provision of Rajasthan Rent Control Act, 2001 deals with permission to enter into the limited period tenancy and for grant of certificate for recovery of possession?

- धारा 6/Section 6
- धारा 7/Section 7
- धारा 8/Section 8
- धारा 9/Section 9

[c]

17. राजस्थान किराया नियंत्रण अधिनियम, 2001 के अन्तर्गत गठित किराया अधिकरण द्वारा पारित अंतिम आदेश के विरुद्ध एक व्यथित पक्षकार को क्या उपचार उपलब्ध है?/What is the remedy available to an aggrieved party against a final order passed by the Rent Tribunal constituted under the Rajasthan Rent Control Act, 2001?

- भारत के संविधान के अनुच्छेद 226/227 के अन्तर्गत रिट याचिका।/Writ petition under Article 226/227 of the Constitution of India.
- व्यवहार प्रक्रिया संहिता की धारा 96 के अन्तर्गत उच्च न्यायालय में अपील।/Appeal to High Court under Section 96 of the Code of Civil Procedure.
- राजस्थान किराया नियंत्रण अधिनियम, 2001 की धारा 19(6) के अन्तर्गत अपील।/Appeal under Section 19(6) of the Rajasthan Rent Control Act, 2001.
- आदेश अन्तिम है, कोई उपचार उपलब्ध नहीं।/No remedy, order is final.

[c]

18. 'क' और 'ख' संविदा करते हैं कि 'क' नियत कीमत पर 'ख' के लिये एक मकान बनायेगा। वह क्रम, जिससे व्यतिकारी वचनों का पालन किया जाना है, नियत नहीं किये गये। पालना का क्रम क्या होगा?/'A' and 'B' contract that 'A' shall build a house for 'B' at a fixed price. The order in which reciprocal promises are to be performed was not fixed. What shall be the order of performance?

- 'क' को मकान बनाने के वचन का पालन, 'ख' के मकान के लिये भुगतान करने के वचन से पहले करना होगा।/A's promise to build the house must be performed before B's promise to pay for the house.
- 'ख' को मकान के लिये भुगतान करने के वचन का पालन, 'क' के मकान बनाने के वचन से पहले करना होगा।/B's promise to pay for the house must be performed before A's promise to build the house.

- 'क' तथा 'ख' को अपने वचन का पालन एक साथ करना होगा।/A & B should perform their promise simultaneously.
- उपरोक्त में से कोई नहीं।/None of the above.

[a]

19. अर्थान्वयन का नियम 'Nocsitur a sociis' से अभिप्राय है;/The rule of construction 'Nocsitur a sociis' means;

- शब्द का अर्थ आसपास के शब्दसमूह से निकाला जाता है।/The meaning of a word is to be judged by the company it keeps.
- विशिष्ट एवं सामान्य शब्दों के मध्य की असंगति में सामंजस्य करना।/To reconcile incompatibility between the specific and general words.
- विधि में कोई शब्द अनावश्यक नहीं है।/No word in a statute is superfluous.
- उपरोक्त में से कोई नहीं।/None of the above

[a]

20. उच्च न्यायालयों तथा उच्चतम न्यायालय द्वारा कौन से अधिनियमों एवं विनियमों को असंवैधानिक घोषित नहीं किया जा सकता है?/Which of the Acts & Regulations cannot be declared unconstitutional by High Courts and Supreme Court?

- अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित जन जातियों के व्यक्तियों से संबंधित अधिनियमों एवं विनियमों को।/Acts & Regulations concerning persons from Scheduled Castes & Scheduled Tribes.
- संसद एवं इसके सदस्यों से संबंधित अधिनियमों एवं विनियमों को।/Acts & Regulations concerning Parliament & its members.
- संविधान की अनुसूची VII में सूचीबद्ध अधिनियमों एवं विनियमों को।/Acts & Regulations enlisted in Schedule VII of the Constitution.
- संविधान की अनुसूची IX में सूचीबद्ध अधिनियमों एवं विनियमों को।/Acts & Regulations enlisted in Schedule IX of the Constitution.

[d]

21. इलेक्ट्रॉनिक अभिलेख से सम्बन्धित साक्ष्य के विशेष प्रावधानों को भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 में जोड़ा गया था;/Special provisions as to evidence relating to electronic record were inserted in the Indian Evidence Act, 1872;

- धारा 65-ख के रूप में, दिनांक 17.10.2000 से प्रभावी।/In the form of Section 65-Bw.e.f. 17.10.2000.
- धारा 68-ख के रूप में, दिनांक 17.10.2000 से प्रभावी।/In the form of Section 68-Bw.e.f. 17.10.2000.
- धारा 65-ख के रूप में, दिनांक 12.08.2002 से प्रभावी।/In the form of Section 65-Bw.e.f. 12.08.2002.
- धारा 68-ख के रूप में, दिनांक 12.08.2002 से प्रभावी।/In the form of Section 68-Bw.e.f. 12.08.2002.

[a]





22. एक लिखत में, पक्षकारों की पारस्परिक भूल जो कि उनके वास्तविक आशय को अभिव्यक्त नहीं करती है, लिखत के किसी भी पक्षकार द्वारा परिशोधित करवाई जा सकती है;/A mutual mistake of the parties in an instrument, which does not express their real intention, can be got rectified by either party to the instrument;

- पंजीकरण अधिनियम, 1908 के अन्तर्गत वाद संस्थित करके।/By instituting a suit under Registration Act, 1908.
- व्यवहार प्रक्रिया संहिता, 1908 की धारा 152 के अन्तर्गत आवेदन पत्र प्रस्तुत करके।/By filing an application under Section 152 of the Code of Civil Procedure, 1908.
- विनिर्दिष्ट अनुतोष अधिनियम, 1963 की धारा 26 के अन्तर्गत वाद संस्थित करके।/By instituting a suit under Section 26 of the Specific Relief Act, 1963.
- परिशोधित नहीं करवाई जा सकती है।/Cannot be rectified.

[c]

23. व्यवहार प्रक्रिया संहिता, 1908 के किस प्रावधान के आधार पर डिक्री पारित करने से पूर्व विवाद्यक को संशोधित करने अथवा अतिरिक्त विवाद्यकों को विरचित करने की शक्ति न्यायालय में निहित है?/Power to amend the issue or frame additional issues prior to passing of a decree vests in a Court by virtue of which provision of the Code of Civil Procedure, 1908?

- आदेश XIV नियम 1/Order XIV Rule 1
- आदेश XIV नियम 5/Order XIV Rule 5
- आदेश XIV नियम 6/Order XIV Rule 6
- धारा 151/Section 151

[b]

24. उच्च न्यायालय का कोई न्यायाधीश अपने हस्ताक्षर सहित लेख द्वारा अपना पद त्याग सकता है। ऐसा त्यागपत्र किसे संबोधित किया जायेगा?/A Judge of a High Court may by writing under his hand, resign his office. To whom such resignation should be addressed?

- उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को/Chief Justice of the High Court.
- भारत के मुख्य न्यायाधीश को/Chief Justice of India.
- राज्य के राज्यपाल को/Governor of the State.
- भारत के राष्ट्रपति को/President of India.

[d]

25. समवर्ती सूची में प्रगणित किसी विषय के संबंध में संसद द्वारा बनाई गई विधि तथा राज्य के विधान-मंडल द्वारा बनाई गई विधि में विरोध होने की दशा में;/In case of repugnancy between the law made by the Parliament and the law made by the State Legislature, with respect to any matter enumerated in concurrent list;

- भारत के संविधान के अनुच्छेद 246 के आधार पर संसद द्वारा बनाई गई विधि अभिभावी होगी।/by virtue of Article 246 of Constitution of India, law made by the Parliament shall prevail.
- भारत के संविधान के अनुच्छेद 246 के आधार पर राज्य के विधान-मंडल द्वारा बनाई गई विधि अभिभावी होगी।/by virtue of

Article 246 of Constitution of India, law made by State Legislature shall prevail.

- भारत के संविधान के अनुच्छेद 254 के आधार पर संसद द्वारा बनाई गई विधि अभिभावी होगी।/by virtue of Article 254 of Constitution of India, law made by Parliament shall prevail.
- भारत के संविधान के अनुच्छेद 254 के आधार पर राज्य के विधान-मंडल द्वारा बनाई गई विधि अभिभावी होगी।/by virtue of Article 254 of Constitution of India, law made by State Legislature shall prevail.

[c]

26. भारत के संविधान का कौनसा प्रावधान 'अस्पृश्यता का अन्त और उसके किसी भी रूप में आचरण को निषिद्ध करता है?/Which provision of the Constitution of India abolished 'Untouchability' and forbids its practise in any form?

- अनुच्छेद 14/Article 14
- अनुच्छेद 15/Article 15
- अनुच्छेद 16/Article 16
- अनुच्छेद 17/Article 17

[d]

27. कथन को पूर्ण करें - एक न्यायालय कमीशन जारी नहीं कर सकता है;/Complete the statement - A Court cannot issue commission;

- किसी व्यक्ति की परीक्षा के लिए।/to examine any person.
- बंटवारे के लिए।/to make a partition.
- साक्ष्य एकत्रित करने के लिए।/to collect evidence.
- लेखाओं की परीक्षा या समायोजन के लिए।/to examine or adjust accounts.

[c]

28. व्यवहार प्रक्रिया संहिता, 1908 का कौनसा प्रावधान उपबंधित करता है कि स्थानीय अथवा धन संबंधित क्षेत्राधिकार के बारे में आपत्ति प्रथम उपलब्ध अवसर पर ही उठानी होगी?/Which of the provision of the Code of Civil Procedure, 1908 provides that the objection regarding territorial or pecuniary jurisdiction has to be raised at the first available opportunity?

- धारा 10/Section 10
- धारा 11/Section 11
- धारा 20/Section 20
- धारा 21/Section 21

[d]

29. किस संवैधानिक संशोधन द्वारा संविधान की उद्देशिका में "समाजवादी पंथ निरपेक्ष" शब्दों को जोड़ा गया था?/The words "SOCIALIST SECULAR" were inserted in the Preamble of the Constitution by which constitutional amendment?

- 41वें संशोधन द्वारा/Forty First amendment
- 42वें संशोधन द्वारा/Forty Second amendment
- 44वें संशोधन द्वारा/Forty Fourth amendment
- 46वें संशोधन द्वारा/Forty Sixth amendment

[b]





30. संविधान का कौनसा प्रावधान उच्च न्यायालय को स्वयं की अवमानना के लिये दण्डित करने की शक्ति प्रदान करता है?/Which provision of the Constitution confers upon a High Court the power to punish for contempt of itself?

- (a) अनुच्छेद 215/Article 215
- (b) अनुच्छेद 217/Article 217
- (c) अनुच्छेद 225/Article 225
- (d) अनुच्छेद 226/Article 226

[a]

31. निम्न में से कौनसे तथ्यों को साबित किया जाना आवश्यक है?/Which of the following facts are required to be proved?

- (a) भारत के राज्यक्षेत्र में प्रवृत्त समस्त विधियाँ।/All laws in force in the territory of India.
- (b) शासकीय राजपत्र में अधिसूचित लोक उत्सव एवं अवकाश।/Public festivals and holidays notified in official Gazette.
- (c) भूमि पर मार्ग का नियम।/The Rules of the road.
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं।/None of the above

[d]

32. प्रतिपाल्य के विधिक प्रतिनिधि द्वारा, प्रतिपाल्य के संरक्षक द्वारा किये गये सम्पत्ति के अन्तरण को जबकि प्रतिपाल्य प्राप्तवय होने से पूर्व मर जाता है, अपास्त करने के लिये दावा करने की परिसीमन अवधि है?/The period of limitation for filing a suit to set aside transfer of property made by a guardian of a ward, by the ward's legal representative, when the ward dies before . attaining majority, is;

- (a) उस दिनांक से तीन वर्ष, जब प्रतिपाल्य प्राप्तवय हो गया होता।/Three years from the date when the ward would have become major.
- (b) उक्त तथ्य के विधिक प्रतिनिधि की जानकारी में आने की दिनांक से तीन वर्ष।/Three years from the date when such fact comes to the notice of the legal representative.
- (c) प्रतिपाल्य की मृत्यु की दिनांक से तीन वर्ष।/Three years from the date of death of the ward.
- (d) अन्तरण की दिनांक से बारह वर्ष।/Twelve years from the date of the transfer.

[c]

33. व्यवहार प्रक्रिया संहिता के किस प्रावधान के अन्तर्गत, आदेश XXI व्य.प्र.सं. के अधीन प्रस्तुत एक आवेदन के एक पक्षीय रूप से निर्णित किये जाने या अनुपस्थिति में खारिज किये जाने के आदेशों की पुनर्स्थापना अथवा अपास्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत किया जा सकता है?/Under which provision of Code of Civil Procedure, restoration or setting aside of orders passed ex parte can be sought regarding an application filed under Order XXI of CPC which has been dismissed for non appearance or decided ex parte?

- (a) आदेश IX नियम 13/Order IX Rule 13
- (b) आदेश XXI नियम 58/Order XXI Rule 58

- (c) आदेश XXI नियम 106/Order XXI Rule 106
- (d) आदेश XXI नियम 100/Order XXI Rule 100

[c]

34. ऐसे व्यक्ति, जो किसी सम्पत्ति का विनिर्दिष्ट प्रयोजनों के उपयोग करने का अधिकार रखते हुए उसे अन्य प्रयोजनों के लिये दुरुपयोजन कर ले, के विरुद्ध अपकृत्य सम्बन्धी वाद संस्थित करने की परिसीमा अवधि है?/The period of limitation for filing a suit relating to tort against one who, having right to use property for specific purpose, perverts it to other purpose is:

- (a) क्षतिग्रस्त व्यक्ति को प्रथम बार दुरुपयोजन के ज्ञात होने की दिनांक से एक वर्ष।/One year from the date the perversion first becomes known to the person injured.
- (b) क्षतिग्रस्त व्यक्ति को प्रथम बार दुरुपयोजन के ज्ञात होने की दिनांक से दो वर्ष।/Two years from the date the perversion first becomes known to the person injured.
- (c) क्षतिग्रस्त व्यक्ति को प्रथम बार दुरुपयोजन के ज्ञात होने की दिनांक से तीन वर्ष।/Three Years from the date the perversion first becomes known to the person injured.
- (d) क्षतिग्रस्त व्यक्ति को प्रथम बार दुरुपयोजन के ज्ञात होने की दिनांक से चार वर्ष।/Four years from the date the perversion first becomes known to the person injured.

[b]

35. अप्रत्याशित घटना (force majeure) का सिद्धान्त, भारतीय संविदा अधिनियम, 1872 के किस प्रावधान से उत्पन्न होता है?/The principle of 'force majeure' emanates from which provision of the Indian Contract Act, 1872?

- (a) धारा 52/Section 52
- (b) धारा 54/Section 54
- (c) धारा 56/Section 56
- (d) धारा 58/Section 58

[c]

36. किस प्रावधान के अन्तर्गत न्यायालय जमानत पर रिहा किये गये एक व्यक्ति के विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट जारी कर सकता है और उससे पर्याप्त प्रतिभू पेश करने की अपेक्षा कर सकता है?/Under which provision, can the Court issue a warrant of arrest against a person released on bail and require him to furnish sufficient sureties?

- (a) धारा 440 दण्ड प्रक्रिया संहिता/Section 440 Cr.P.C.
- (b) धारा 446 दण्ड प्रक्रिया संहिता/Section 446 Cr.P.C.
- (c) धारा 441 दण्ड प्रक्रिया संहिता/Section 441 Cr.P.C.
- (d) धारा 443 दण्ड प्रक्रिया संहिता/Section 443 Cr.P.C.

[d]

37. निम्न में से किसमें, माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा यह अभिनिर्धारित किया गया है कि परक्राम्य लिखत अधिनियम से उत्पन्न मामले में यदि दोनों संव्यवहार एक ही संव्यवहार के भाग हों तो अनुक्रमिक दण्डों को समवर्ती रूप से चलाने का आदेश दिया जा सकेगा?/In which of the following, the Hon'ble Supreme Court held that in a case arising from





**Negotiable Instruments Act, successive sentences may be directed to run concurrently if both transactions are part of single transaction?**

- (2010) 5 एस.सी.सी. 663, दामोदर एस. प्रभू बनाम सैयद बाबालाल एच./ (2010) 5 SCC 663, Damodar S. Prabhhu Vs. Sayed Babalal H.
- (2016) 3 एस.सी.सी. 1, डोन ऐन्जिया बनाम असम राज्य एवं अन्य/ (2016) 3 SCC 1, Don Ayengia Vs. State of Assam & Ors.
- (2009) 1 एस.सी.सी. 706, महेन्द्रा एण्ड महेन्द्रा फाइनेन्सियल सर्विसेज लि. एवं अन्य बनाम राजीव दुबे/ (2009) 1 SCC 706, Mahindra & Mahindra Financial Services Ltd. & Anr. Vs Rajiv Dubey.
- (2016) 10 एस.सी.सी. 761, श्याम पाल बनाम दयावती बसोया एवं अन्य/ (2016) 10 SCC 761, Shyam Pal Vs. Dayawati Besoya & Ors.

[d]

**38. भारतीय साक्ष्य अधिनियम का कौनसा प्रावधान यह उपबंधित करता है कि एक महिला के लैंगिक संभोग के अभ्यस्तन होने का तथ्य, बलात्संग या उक्त महिला की लज्जा भंग के अभियोजन में सहमति के बिन्दु के संदर्भ में, सुसंगत नहीं होगा?/Which provision of Indian Evidence Act stipulates that the fact of a woman being habituated to sexual intercourse will not be relevant on the issue of consent in a prosecution for rape or outraging the modesty of the said woman?**

- धारा 50/Section 50
- धारा 53-क/Section 53-A
- धारा 54/Section 54
- धारा 51/Section 51

[b]

**39. एक मजिस्ट्रेट द्वारा समन मामलों के विचारण के संदर्भ में, निम्न में से कौनसा कथन सही है?/In reference to the trial of summons cases by a Magistrate, which of the following statements is correct?**

- न्यायालय अभियुक्त तथा अभियोजन को सुनने के पश्चात आरोप विरचित करेगा।/The Court shall frame charge after hearing the accused and the prosecution.
- न्यायालय अभियोजन तथा अभियुक्त को सुनने के पश्चात अभियुक्त को उन्मोचित कर सकेगा।/The Court may discharge the accused after hearing the prosecution and the accused.
- अभियुक्त को सुनने की न्यायालय के लिए कोई बाध्यता नहीं है तथा उसे अपराध की विशिष्टियां बताई जायेंगी।/There is no requirement for the Court to hear the accused and the particulars of the offence shall be stated to him.
- उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above

[c]

**40. राम तीर्थयात्रा पर जाते समय अपना संदूक जिसमें गहने हैं, अपने पड़ोसी श्याम को न्यस्त करके जाता है। श्याम उक्त संदूक को बिना किसी प्राधिकार के बेईमानीपूर्वक, रिष्टी करने के आशय से तोड़कर**

**खोल लेता है। श्याम द्वारा अपराध किया गया है;/Ram while going on pilgrimage, entrusted a box containing jewellery to his neighbour Shayam. Shayam dishonestly with the intent to commit mischief, breaks open the box without having any authority. Shayam has committed the offence of:**

- भारतीय दण्ड संहिता की धारा 406 का/Section 406 of Indian Penal Code
- भारतीय दण्ड संहिता की धारा 379 का/Section 379 of Indian Penal Code
- भारतीय दण्ड संहिता की धारा 462 का/Section 462 of Indian Penal Code
- उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above

[c]

**41. निम्न में से कौनसी स्थितियों में विधि का उल्लंघन करने वाले बालक के निर्दोष होने की उपधारणा का सामान्य सिद्धान्त लागू नहीं होगा?/In which of the following situations, the general principle of presumption of innocence of a child in conflict with law shall not be applicable?**

- जब बालक पर भारतीय दण्ड संहिता की धारा 302 के अंतर्गत दण्डनीय हत्या के अपराध का आरोप है।/When the child is charged for the offence of murder punishable under Section 302 of IPC.
- जब बालक पर भारतीय दण्ड संहिता की धारा 376(b)(ज) के अंतर्गत दण्डनीय सामूहिक बलात्संग के अपराध का आरोप है।/When the child is charged for the offence of gang rape punishable under Section 376(b)(g) of IPC.
- जब किशोर न्याय बोर्ड द्वारा किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम की धारा 15 सपठित धारा 18 (3) के अंतर्गत आदेश पारित किया गया है कि बालक का विचारण एक वयस्क की तरह किया जाए।/Where the Juvenile Justice Board has passed an order under Section 15 read with Section 18 (3) of the Juvenile Justice (Care and Protection of Children) Act that the child should be tried as an adult.
- उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above

[d]

**42. एक पुलिस अधिकारी, यातायात उल्लंघनकर्ता से 5000/- रुपये की राशि जुर्माने के रूप में प्राप्त करता है। वह उक्त राशि नियत अवधि के तीन माह पश्चात राजकोष में जमा करवाता है। वह करता है;/A Police Officer receives a sum of Rs. 5000/- as fine from a traffic violator. He deposits the amount in the Treasury three months after the stipulated period. He commits;**

- धारा 407 भारतीय दण्ड संहिता के अंतर्गत दण्डनीय अपराध/Offence punishable under Section 407 IPC.
- धारा 409 भारतीय दण्ड संहिता के अंतर्गत दण्डनीय अपराध/Offence punishable under Section 409 IPC.
- धारा 420 भारतीय दण्ड संहिता के अंतर्गत दण्डनीय अपराध/Offence punishable under Section 420 IPC.





(d) उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above.

[b]

43. विधि के किस प्रावधान के अन्तर्गत, न्यायालय मृत्यु या आजीवन कारावास से भिन्न किसी अपराध । हेतु दोषसिद्ध किसी व्यक्ति के मामले को विचारित करते समय परिवीक्षा अधिकारी की रिपोर्ट मंगवाने हेतु आबद्ध है?/Under which provision of law, the Court while considering the case of a person convicted for an offence not punishable with death or imprisonment of life, is under an obligation to call for the report of Probation Officer?

- अपराधी परिवीक्षा अधिनियम की धारा 9/Section 9 of the Probation of Offenders Act
- अपराधी परिवीक्षा अधिनियम की धारा 7/Section 7 of the Probation of Offenders Act
- अपराधी परिवीक्षा अधिनियम की धारा 4/Section 4 of the Probation of Offenders Act
- उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above

[c]

44. एक व्यक्ति (आदाता) एक खाली चेक हस्ताक्षरित करता है तथा उसे दूसरे व्यक्ति (धारक) को देता है तथा धारक राशि व दिनांक हेतु निर्धारित खाली स्थान को भरता है तथा इसे अपने बैंक खाते में प्रस्तुत करता है तथा यह अनादरित हो जाता है। ऐसी स्थितियों में निम्न में से कौनसा कथन सही है?/A person (payee) signs a blank cheque and gives the same to another person (holder) and the holder fills up the blank space pertaining to amount and date and presents the same in his bank account and it is dishonoured. In such a situation, which of the following statement would be correct?

- धारक ने कूटरचना की है।/The holder has committed forgery.
- चेक को अवैध माना जायेगा।/The cheque will have to be treated as invalid.
- चेक को बैंक स्वीकार नहीं करेगा।/The Bank would not accept the cheque.
- धारक को, बैंक में चेक प्रस्तुत करने पर अनादरित हो जाने का परिवाद प्रस्तुत करने का अधिकार होगा।/The holder will be entitled to maintain a complaint filed upon the cheque being dishonoured upon being presented in the bank.

[d]

45. किस प्रख्यात निर्णय में माननीय उच्चतम न्यायालय ने साक्षियों को तीन वर्गों (i) पूर्णतया विश्वसनीय (ii) पूर्णतया अविश्वसनीय (iii) ना तो पूर्णतया विश्वसनीय, ना ही पूर्णतया अविश्वसनीय, में वर्गीकृत किया था?/In which celebrated judgment, did the Hon'ble Supreme Court classified the witnesses into three categories (i) wholly reliable, (ii) wholly unreliable, (iii) neither wholly reliable nor wholly unreliable?

- ए.आई.आर. 1957 सु.को. 614, वेदिवेलु थेवर बनाम् मद्रास राज्य/AIR 1957 SC 614, Vadivelu Thevar Vs. State of Madras.

(b) ए.आई.आर. 1974 सु.को. 276, गुलीचन्द एवं अन्य बनाम् राजस्थान राज्य/AIR 1974 SC 276, Guli Chand & Ors. Vs. State of Rajasthan.

(c) ए.आई.आर. 2012 सु.को. 1357. रामनरेश एवं अन्य बनाम् छत्तीसगढ़ राज्य/AIR 2012 SC 1357, Ramnaresh & Ors. Vs. State of Chhattisgarh.

(d) (1994) 2 एस.सी.सी. 467, भैरू सिंह बनाम् राजस्थान राज्य/(1994) 2 SCC 467, Bheru Singh Vs. State of Rajasthan.

[a]

46. जब विधि का उल्लंघन करने वाला किशोर जो अभिरक्षा में है, को विचारण के दौरान 18 वर्ष की आयु पार करने पर किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम की धारा 18(3) के अंतर्गत वयस्क घोषित किया जाता है, उक्त स्थिति में विचारण न्यायालय के पास निम्न में से कौनसा विकल्प उपलब्ध है?/When a child in conflict with law is in custody while undergoing trial, is declared adult under Section 18(3) of the Juvenile Justice (Care and Protection of Children) Act upon crossing the age of 18 years during the course of trial, Which of the following option is available to the trial court in such a situation?

- बालक को परामर्श अथवा भर्त्सना के पश्चात घर जाने को अनुज्ञात करना/To allow the child to go home after advise or admonition.
- कार्यवाहियों को समाप्त करके बालक को अविलम्ब अभिरक्षा से निर्मुक्त करना/To drop the proceedings and release the child from custody forthwith.
- बालक को सदाचरण की परिवीक्षा पर छोड़ने का निर्देश देना/To direct the child to be released on probation of good conduct.
- बालक को सुरक्षित स्थान पर भेजना/Send the child to a place of safety.

[d]

47. विधि के किस प्रावधान के अन्तर्गत, किसी दाण्डिक न्यायालय के समक्ष जांच या विचारण के प्रयोजनार्थ एक अधिकृत प्रतिनिधि नियुक्त करना, एक निगमित निकाय से अपेक्षित है?/Under which provision of law, a body incorporate is required to appoint an authorised representative for the purpose of inquiry or trial before a criminal court?

- धारा 302 दण्ड प्रक्रिया संहिता/Section 302 of Cr.P.C.
- धारा 303 दण्ड प्रक्रिया संहिता/Section 303 of Cr.P.C.
- धारा 305 दण्ड प्रक्रिया संहिता/Section 305 of Cr.P.C.
- उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above

[c]

48. निम्न में से कौनसा कथन सही है?/Which of the following statements is correct?

- भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 113-क की उपधारणा आकर्षित होगी, यदि अभियुक्त तथा मृतका का विवाह महिला की आत्महत्या से 7 वर्षों से अधिक अवधि पूर्व हुआ हो एवं अभियोजन द्वारा मृत्यु से ठीक पूर्व क्रूरता स्थापित की गई है।/The presumption under Section 113-A of





the Indian Evidence Act would be attracted, if the marriage of the accused and the deceased took place more than 7 years prior to the suicide of the woman and cruelty soon before death is established by the prosecution.

- (B) चूंकि एक प्रकरण में भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 113-क आकर्षित होती है, अतः अभियोजन से अभियुक्त के विरुद्ध अपना मामला युक्तियुक्त संदेह से परे साबित करना अपेक्षित नहीं होता है।/That because Section 113-A of the Indian Evidence Act is attracted to a case, the prosecution is not required to prove its case beyond reasonable doubt against the accused.
- (a) कथन (A)/Statement (A)  
 (b) कथन (B)/Statement (B).  
 (c) कथन (A) एवं (B) दोनों/Both Statements (A) & (B).  
 (d) उपरोक्त कथनों में से कोई नहीं/None of the above statements.

[d]

49. निम्न में से कौनसा, एक व्यक्ति जो दृश्यमान रूप से विधि का उल्लंघन करने वाला बालक है, की जमानत से इंकार करने का एक आधार नहीं हो सकता है?/Which of the following can not be a ground to deny bail to a person, who is apparently a child in conflict with law?

- (a) जब ऐसे व्यक्ति के विरुद्ध आक्षेपित अपराध जघन्य प्रकृति का हो और बालक को धारा 18(3) किशोर न्याय बोर्ड द्वारा किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम के अंतर्गत वयस्क के रूप में विचारित करने का आदेश दिया जा चुका हो।/When the offence alleged against such person is a heinous offence and the child has been ordered to be tried as an adult under Section 18(3) of the Juvenile Justice (Care and Protection of Children) Act.
- (b) जब यह विश्वास करने के युक्तियुक्त आधार हों कि यदि बालक को जमानत पर रिहा किया जाता है तो वह ज्ञात अपराधी के संसर्ग में आ सकता है।/When there are reasonable grounds to believe that the child may come into association with known criminal if released on bail.
- (c) उक्त व्यक्ति नैतिक, शारीरिक या मनोवैज्ञानिक रूप से खतरे में पड़ जायेगा।/That the person may be exposed to moral, physical or psychological danger.
- (d) उक्त व्यक्ति को जमानत पर रिहा करने से न्याय का उद्देश्य विफल हो जायेगा।/That the person released on bail would defeat the ends of justice.

[a]

50. खेमा का अभियोजन कालू इसलिये करता है कि उसने कालू की कार चुराई है। खेमा दोषसिद्ध किया जाता है। तत्पश्चात कालू उस कार के लिये, जिसे खेमा ने दोषसिद्ध होने से पूर्व गणेश को बेच दिया था, गणेश पर वाद लाता है। खेमा की. दोषसिद्धि का उक्त निर्णय कालू और गणेश के वाद में:/Kalu prosecutes Khema for stealing a car from him, Khema is convicted. Kalu

afterwards sues Ganesh for the car which Khema had sold to him before his conviction. The judgment of conviction of Khema in the suit between Kalu and Ganesh is:

- (a) विसंगत है/Relevant  
 (b) सुसंगत है/Irrelevant  
 (c) न्यायालय की पूर्व अनुमति से ही सुसंगत है।/Relevant only with prior permission of court.  
 (d) उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above

\* Deleted

51. दण्ड प्रक्रिया संहिता का कौनसा प्रावधान दोहरे अभियोजन के विरुद्ध संरक्षण प्रदान करता है?/Which provision of Cr.P.C. provides protection against double jeopardy?

- (a) धारा 305/Section 305  
 (b) धारा 300/Section 300  
 (c) धारा 188/Section 188  
 (d) धारा 203/Section 203

[b]

52. किस निर्णय में माननीय उच्चतम न्यायालय ने यह अभिनिर्धारित किया है कि यदि चैक के पूर्व अनादरण व इस हेतु जारी नोटिस के आधार पर कोई परिवाद प्रस्तुत नहीं किया गया हो तो चैक के द्वितीय अथवा पश्चातवर्ती अनादरण होने के आधार पर परिवाद पोषणीय है;/In which judgment, the Hon'ble Supreme Court laid down that a complaint based on a second or successive dishonour of cheque is maintainable, if no complaint based on an earlier dishonour of cheque followed by statutory notice issued on the basis thereof had been filed;

- (a) (2013) 1 एस.सी.सी. 177, एम.एस.आर. लेदर्स बनाम एस. पल्लीअप्पन एवं अन्य/(2013) 1 SCC 177, M.S.R. Leathors Vs. S.Palaniappan & Anr.  
 (b) (1998) 6 एस.सी.सी. 514, सदानंदन भद्रा बनाम माधवन सुनील कुमार/(1998) 6 SCC 514, Sadanandan Bhadrans Vs. Madhavan Sunil Kumar.  
 (c) (1999) 4 एस.सी.सी. 567, सिल इम्पोर्ट यू.एस.ए. बनाम एग्जिम एडस सिल्क एक्सपोर्टर्स बैंगलोर/(1999) 4 SCC 567, Sil Import USA Vs. Exim Aides Silk Exporters Bangalore.  
 (d) (2004). 13 एस.सी.सी. 498, कृष्णा एक्सपोर्टर्स एवं अन्य बनाम राजू दास/(2004) 13 SCC 498, Krishna Exports & Ors. Vs. Raju Das.

[a]

53. विधि के किस प्रावधान के अन्तर्गत एक सेशन न्यायालय किसी अधिनियम, अध्यादेश अथवा विनियम की विधिमन्यता के संबंध में उच्च न्यायालय को रेफरेंस कर सकता है, जिसका अवधारण मामले को निपटाने के लिये आवश्यक है?/Under which provision of law, the Sessions Court can make a reference to the High Court regarding the validity of any Act, Ordinance or Regulation, the determination of which is necessary for the disposal of the case?

- (a) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 396/Section 396 of Cr.P.C.  
 (b) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 368/Section 368 of Cr.P.C.





- (c) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 366/Section 366 of Cr.P.C.  
(d) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 395/Section 395 of Cr.P.C.  
[d]

54. भारतीय साक्ष्य अधिनियम का निम्न में से कौनसा प्रावधान यह अनुमति देता है कि एक प्रकरण में लेखबद्ध की गई साक्ष्य को पश्चातवर्ती कार्यवाही में सुसंगत समझा जाएगा?/Which of the following provisions of Indian Evidence Act permits evidence recorded in one case to be considered relevant in a subsequent proceeding?

- (a) धारा 32/Section 32  
(b) धारा 37/Section 37  
(c) धारा 38/Section 38  
(d) धारा 33/Section 33

[d]

55. विधि के किस प्रावधान के अन्तर्गत, एक न्यायालय हस्तलेख के मिलान के लिए किसी व्यक्ति को किन्हीं शब्दों अथवा अंकों को लिखने का निर्देश दे सकता है?/Under which provision of law, can a court direct any person to write any words or figures for comparison of handwriting?

- (a) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 91 के अन्तर्गत/Section 91 of Cr.P.C.  
(b) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 54-क के अन्तर्गत/Section 54-A of Cr.P.C.  
(c) भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 73 के अन्तर्गत/Section 73 of Indian Evidence Act.  
(d) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 311 के अन्तर्गत/Section 311 of Cr.P.C.

[c]

56. दण्ड प्रक्रिया संहिता का कौनसा प्रावधान एक दाण्डिक न्यायालय को, एक आपराधिक प्रकरण में साक्षियों को पुनः बुलाने और पुनः परीक्षा करने हेतु सशक्त करता है?/Which provision of Cr.P.C. empowers a criminal court to recall and re-examine witnesses in a criminal case?

- (a) धारा 217/Section 217  
(b) धारा 311/Section 311  
(c) (a) एवं (b) दोनों/Both (a) & (b)  
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं/None of above

[c]

57. निम्न में से कौनसे मामले में माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा परक्राम्य लिखित अधिनियम के अंतर्गत न्यायालय के परिवाद ग्रहण करने के स्थानीय क्षेत्राधिकार के बिन्दु को संशोधन अध्यादेश, 2015 के परिप्रेक्ष्य में निर्णित किया?/In which of the following cases, did the Hon'ble Supreme Court decide the issue of territorial jurisdiction of the court to entertain a complaint under the Negotiable Instruments Act in reference to the Amending Ordinance of 2015?

- (a) (2016) 2 एस.सी.सी. 75, ब्रिजस्टोन इण्डिया प्रा. लि. बनाम् इन्दरपाल सिंह/(2016) 2 SCC 75, Bridgestone India Pvt.Ltd. Vs. Inderpal Singh

- (b) (2016) 11 एस.सी.सी. 105, के. एस. जोसेफ बनाम् फिलिप कार्बन ब्लैक लि. एवं अन्य/(2016) 11 SCC 105, K.S.Joseph Vs. Philip Carbon Black Ltd. & Ors.  
(c) (2016) 1 एस.सी.सी. (क्रिमिनल) 173, अल्ट्राटेक सीमेंट लि. बनाम् राकेश कुमार सिंह एवं अन्य/(2016) 1 SCC (Cri) 173, Ultratech Cement Ltd. Vs. Rakesh Kumar Singh & Anr.  
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above  
[a]

58. शरीर की निजी प्रतिरक्षा के अधिकार का विस्तार हमलावर की स्वेच्छया मृत्यु कारित करने अथवा कोई अन्य अपहानि करने की सीमा तक नहीं होता है, यदि वह अपराध, जिसके कारण उस अधिकार के प्रयोग का अवसर आता है, एतस्मिन् पश्चात प्रगणित प्रकारों में से किसी भी प्रकार का है;/The right of private defence of the body does not extend to voluntary causing of death or of any other harm to the assailant, if the offence which occasions the exercise of the right to be of any of the descriptions hereinafter enumerated;

- (a) बलात्संग करने के आशय से किया गया हमला।/An assault with the intention of committing rape.  
(b) व्यपहरण या अपहरण करने के आशय से किया गया हमला।/An assault with the intention of kidnapping or abducting.  
(c) इस आशय से किया गया हमला कि किसी व्यक्ति का ऐसी परिस्थितियों में सदोष परिरोध किया जाये, जिससे उसे युक्तियुक्त रूप से आशंका हो कि वह अपने को छुड़वाने के लिए लोक प्राधिकारियों की सहायता प्राप्त कर सकेगा।/An assault with the intention of wrongfully confining a person under circumstances which may reasonably cause him to have recourse to the public authorities for his release.  
(d) प्रकोपन पर गंभीर उपहति कारित करने हेतु हमला।/An assault of causing of grievous hurt on provocation.

\*Deleted

59. राजस्थान राज्य में एक विचारण न्यायालय अपना निर्णय अंग्रेजी में पारित करता है। विधि के किस प्रावधान के अंतर्गत, अभियुक्त इस निर्णय की हिन्दी भाषा में रूपान्तरित प्रति मांग सकता है?/A trial court in State of Rajasthan delivers its judgment in English. Under which provision of law, can the accused seek a translated copy of the judgment in Hindi language?

- (a) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 353/Section 353 of Cr.P.C.  
(b) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 362/Section 362 of Cr.P.C.  
(c) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 364/Section 364 of Cr.P.C.  
(d) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 363/Section 363 of Cr.P.C.

[c]

60. विधि के किस प्रावधान के अन्तर्गत, सेशन न्यायालय के द्वारा पारित मृत्यु दण्डादेश उच्च न्यायालय से पुष्टि के अधधीन होता है?/Under which provision of law, a sentence of death passed by the Sessions Court is subject to confirmation by the High Court?

- (a) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 369/Section 369 of Cr.P.C.





- (b) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 367/Section 367 of Cr.P.C.  
 (c) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 366/Section 366 of Cr.P.C.  
 (d) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 370/Section 370 of Cr.P.C.

[c]

61. निम्न में से कौनसी अनियमितताएं कार्यवाहियों को दूषित करती हैं, यदि कोई मजिस्ट्रेट जो निम्नलिखित बातों में से कोई बात विधि द्वारा इस निमित्त सशक्त न होते हुए, करता है;/Which of the following irregularities vitiate the proceedings, if any Magistrate not being empowered by law in this behalf, does any of the following things?

- (a) स्थानीय न्यूसैस के बारे में धारा 133 दण्ड प्रक्रिया संहिता के अधीन आदेश देना।/Makes an order under Section 133 of Cr.P.C. as to a local nuisance.  
 (b) दण्ड प्रक्रिया संहिता के अध्याय 10 के भाग ग अथवा भाग घ के अधीन आदेश देना।/Makes an order under Part C or Part D of Chapter X of Cr.P.C.  
 (c) धारा 176 दण्ड प्रक्रिया संहिता के अधीन मृत्यु-समीक्षा करना।/Holds an inquest under Section 176 of Cr.P.C.  
 (d) भरण-पोषण के लिए आदेश देना।/Makes an order for maintenance. \*Deleted

62. ऐसे मामले में, जहां अभियुक्त अभिरक्षा में है, विचारण न्यायालय साक्ष्य लेखबद्ध करते समय, अभियुक्त की उपस्थिति न्यायालय में सुनिश्चित किये बिना साक्षियों की साक्ष्य लेखबद्ध करता है, निम्न में से कौनसा कथन सही होगा?/The trial court while recording evidence in a case wherein the accused is in custody, records the evidence of witnesses without ensuring presence of the accused in the court, which of the following statement would be correct?

- (a) धारा 273 (1) दण्ड प्रक्रिया संहिता के आधार पर ऐसी कार्यवाहियों में विचारण न्यायालय द्वारा पारित निर्णय दूषित होगा।/The judgment passed by trial court in such proceedings would be vitiated by virtue of Section 273 (1) of Cr.P.C.  
 (b) धारा 460 दण्ड प्रक्रिया संहिता के आधार पर ऐसी कार्यवाहियों में विचारण न्यायालय द्वारा पारित निर्णय संरक्षित होगा।/The judgment passed by trial court in such proceedings would be saved by virtue of Section 460 of Cr.P.C.  
 (c) धारा 465 दण्ड प्रक्रिया संहिता के आधार पर ऐसी कार्यवाहियों में विचारण न्यायालय द्वारा पारित निर्णय संरक्षित होगा।/The judgment passed by trial court in such proceedings would be saved by virtue of Section 465 of Cr.P.C.  
 (d) धारा 317 दण्ड प्रक्रिया संहिता के आधार पर ऐसी कार्यवाहियों में विचारण न्यायालय द्वारा पारित निर्णय संरक्षित होगा।/The judgment passed by trial court in such proceedings would be saved by 'virtue of Section 317 of Cr.P.C.

[a]

63. कौनसा प्रावधान यह उपबंधित करता है कि पागल व्यक्ति एक सक्षम साक्षी हो सकता है?/Which provision stipulates that lunatic can be a competent witness?

- (a) भारतीय दण्ड संहिता की धारा 84/Section 84 of Indian Penal Code  
 (b) भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 118/Section 118 of Indian Evidence Act  
 (c) भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 119/Section 119 of Indian Evidence Act  
 (d) उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above

[b]

64. निम्न निर्णयों में से किसमें, माननीय उच्चतम न्यायालय ने यह अभिनिर्धारित किया है कि जहां घरेलू हिंसा का एक कृत्य घरेलू हिंसा से स्त्री का संरक्षण अधिनियम के प्रवृत्त होने से पूर्व आरम्भ हुआ तथा इसके पश्चात भी जारी रहा है, ऐसी स्थिति में व्यथित व्यक्ति इस अधिनियम का संरक्षण प्राप्त करने का अधिकारी है?/In which of the following judgments, the Hon'ble Supreme Court held that where an act of domestic violence commenced prior to the enactment of The Protection of Women from Domestic Violence Act and continued even thereafter also, in such a situation, the aggrieved person is entitled to protection of the Act?

- (a) (2014) 3 एस.सी.सी. 712, सरस्वती बनाम् बाबू/(2014)3 SCC712, Sarswathy Vs. Babu.  
 (b) (2015) 2 एस.सी.सी. 145, मीना चौधरी बनाम् पुलिस कमिश्नर, दिल्ली/(2015) 2 SCC 145, Meena Chaudhary Vs. Commissioner of Delhi Police,  
 (c) (2013) 15 एस.सी.सी. 755, इन्द्र सर्मा बनाम् वी. के. वी. सर्मा।/(2013) 15 Scc755, Indra Sarma Vs. V.K.V. Sarma.  
 (d) उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above

[a]

65. किस प्रावधान के अन्तर्गत न्यायालय द्वारा अभियुक्त को दोषमुक्त करते समय उसकी उच्चतर न्यायालय में उपस्थिति हेतु उससे बंधपत्र लेना अपेक्षित है?/Under which provision is the Court acquitting the accused, required to take a bond from him/her for appearance in the higher court?

- (a) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 439/Section 439 Cr.P.C.  
 (b) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 436-क/Section 436-A Cr.P.C.  
 (c) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 436/Section 436 Cr.P.C.  
 (d) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 437-क/Section 437-A Cr.P.C.

[d]

66. निम्न में से कौनसे दस्तावेज बिना औपचारिक सबूत के आपराधिक विचारण में साक्ष्य में ग्रहण नहीं किये जा सकते हैं?/Which of the following documents cannot be admitted in evidence in a criminal trial without formal proof?

- (a) लोक दस्तावेजों की सत्यापित प्रतियां/Certified copies of public documents.





- (b) राजकीय वैज्ञानिक द्वारा, उसे अन्वेषण एजेन्सी द्वारा अग्रेषित किये गये नमूनों के रासायनिक/सीरम परीक्षण के पश्चात, जारी की गई रिपोर्ट/Report issued by a govt. scientist after chemical/serological examination of samples forwarded to him by the investigating agency.
- (c) राजकीय हस्तलेख विशेषज्ञ द्वारा विवादित हस्ताक्षरों को स्वीकृत हस्ताक्षर से मिलान करने के पश्चात जारी की गई रिपोर्ट/A report issued by a govt. handwriting expert after comparison of the disputed signatures with an admitted signature.
- (d) एक दस्तावेज जिसे विरोधी पक्ष द्वारा स्वीकार किया गया है।/A document which is admitted by the opposite party. [a]
67. एक महानगर मजिस्ट्रेट द्वारा चोरी के एक अभियुक्त को तीन माह के साधारण कारावास व दो सौ रुपये के अर्धदण्ड से दण्डित किया जाता है। अभियुक्त द्वारा उक्त निर्णय की अपील की जा सकती है:/A Metropolitan Magistrate sentenced an accused of theft for three months simple imprisonment and a fine of Rs. 200/-. Accused can file an appeal against such judgment in;
- (a) सेशन न्यायालय में/The Court of Sessions
- (b) उच्च न्यायालय में/The High Court
- (c) मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट के न्यायालय में/The Court of Chief Metropolitan Magistrate
- (d) अपील नहीं की जा सकती है/No appeal can be filed [d]
68. "अ" एक लोक सेवक, अपने कार्यालयिक कार्यों के निर्वहन के दौरान यह जानते हुए कि उसके इस कार्य से दूसरे लोक सेवक "ब" को हानि कारित होना सम्भाव्य है, गलत विवरणों का एक दस्तावेज जारी करता है। लोक सेवक "अ" निम्न में से किस अपराध हेतु उत्तरदायी है?/Public servant "A" while discharging his official functions, issues a document with incorrect particulars knowing that by this action, he is likely to harm another public servant "B". The public servant "A" is responsible for which of the following offence?
- (a) कूटरचना/Forgery
- (b) मिथ्या दस्तावेज रचना/Creating of false document
- (c) छल/Cheating
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above [d]
69. दण्ड प्रक्रिया संहिता के किस प्रावधान के अंतर्गत, एक पक्षकार कार्यपालक मजिस्ट्रेट के समक्ष धारा 145 दण्ड प्रक्रिया संहिता के अंतर्गत शुरू की गई कार्यवाहियों को समाप्त करने की प्रार्थना कर सकता है?/Under which provision of Cr.P.C., can a party approach an Executive Magistrate and pray for dropping of the proceedings initiated under Section 145 of Cr.P.C?
- (a) धारा 145(2)/Section 145(2)
- (b) धारा 146(1)/Section 146(1)
- (c) धारा 148/Section 148
- (d) धारा 145(5)/Section 145(5)

- [d]
70. विधि के किस प्रावधान के अन्तर्गत, न्यायालय बिना आधार गिरफ्तार किये गये एक व्यक्ति को प्रतिकर दिला सकता है?/Under which provision of law, can the court award compensation to a person groundlessly arrested?
- (a) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 349/Section 349 of Cr.P.C.
- (b) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 357/Section 357 of Cr.P.C.
- (c) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 358/Section 358 of Cr.P.C.
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above [c]
71. Choose the correct Active voice sentence; It is being said that too little money is being spent by the government on roads.
- (1) People are saying that the government is spending too little money on roads.
- (2) People were saying that too little money has been spent on roads by the government.
- (3) People said that too little money spent by the government on roading.
- (4) People have said that Government have spend too little money on roads. [1]
72. Fill in the blanks with the most appropriate option. The last train \_\_\_ the station at 11:30 a.m.
- 1) will leaving 2) has been left
- 3) leaves 4) was left [3]
73. Fill in the blanks with the most appropriate option. The new witness \_ yesterday and the judge \_ the investigations early this morning.
- 1) arrived, started 2) arrived, starting
- 3) have arrived, would be start 4) had arrived, had start [1]
74. The word similar in meaning to "Quote" is:
- 1) sight 2) sue 3) sigh 4) cite [4]
75. Fill in the blanks with the most appropriate modal. When I was a child, I \_\_\_ understand adults but now I don't.
- 1) do 2) should 3) could 4) must [3]
76. Complete the following sentence with correct subordinating conjunction: \_\_\_ he worked hard, he did not win.
- 1) However 2) Though
- 3) Nevertheless 4) Moreover [2]





77. The synonym of "Advise" is:

- 1) Council 2) Counsel  
3) Practice 4) Proposal

[2]

78. "To make a long story short" means:

- 1) paraphrase  
2) come to the point  
3) display composition skills  
4) have narrative excellence

[2]

79. Fill in the blanks with the most appropriate phrasal verb.

The situation is difficult and calls \_\_\_ great tact.

- 1) out 2) up 3) to 4) for

[4]

80. Fill in the blanks with the most appropriate modal.

He \_\_\_ be lazy, but he is not stupid.

- 1) needn't 2) mustn't  
3) shall 4) may

[4]

81. Fill in the blanks with the most appropriate modal.

He \_\_\_ have escaped by this window because it has been broken open.

- 1) need 2) dare 3) out 4) must

[4]

82. Fill in the blanks with the most appropriate option.

We \_\_\_ just \_\_\_ the most extraordinary verdict today.

- 1) to, hear 2) have, heard  
3) will, hearing 4) can, heard

[2]

83. Complete the following sentence with correct subordinating conjunction:

You must start at once \_\_\_ you will be late.

- 1) therefore 2) although  
3) otherwise 4) because

Deleted [\*]

84. Complete the following sentence with correct subordinating conjunction:

\_\_\_ of my friends advised me to take \_\_\_ taxi home.

- 1) No, the 2) One, a  
3) More, no article 4) These, some

[2]

85. The antonym of "Proclaim" is:

- 1) suppress 2) pretend  
3) attend 4) distend

[1]

86. निम्न में से कौनसा अशुद्ध शब्द नहीं है?

- (a) प्रमाणिक (b) रचियता (c) कवियत्री (d) अत्याक्षरी

[d]

87. किस स्थिति में अवतरण चिह्न का प्रयोग सामान्यतः नहीं होता है?

- (a) किसी के महत्त्वपूर्ण वचन उद्धृत करने में  
(b) अप्रचलित अथवा विशेष प्रचलित शब्दों में  
(c) व्यक्तियों के उपनामों में  
(d) रचना का अनुवाद करते हुए

[d]

88. किस शब्द का संधि-विच्छेद त्रुटिपूर्ण है?

- (a) अभीष्ट - अभि + इष्ट (b) वाङ्मय - वाक् + मय  
(c) अब्ज - अप् + ज (d) महैश्वर्य - महा + एश्वर्य

[d]

89. निम्न में से कौनसा, वचन संबंधी त्रुटि वाला वाक्य है?

- (a) महात्मा जी का दर्शन करके मैं धन्य हो गया।  
(b) श्रोताओं में कई श्रेणियों के लोग थे।  
(c) विद्रोहियों को कुत्तों की तरह घसीटा गया।  
(d) हर एक ने टोपी पहन रखी थी।

[a]

90. निम्न में से किस विकल्प के सभी शब्द पर्यायवाची हैं?

- (a) विभावरी, निशाचरी, रजनी (b) मधुकरी, भिक्षा, भीख  
(c) मान, सम्मान, मान्य (d) अंबुधि, अर्णव, नीरद

[b]

91. किस मुहावरे का अभिप्राय गलत है?

- (a) आकाश के तारे तोड़ लाना - असंभव कार्य कर डालना।  
(b) आँख का काजल चुरा लेना - बड़ी बारीकी से चोरी करना।  
(c) द्रौपदी का चीर होना - कभी समाप्त न होने वाली।  
(d) ताल कटना - संगीत में बाधा उपस्थित होना।

[d]

92. 'अपने घर, गाँव या नगर में किसी का आदर नहीं होता', अभिव्यक्ति हेतु निकटतम लोकोक्ति है-

- (a) घर की खाँड किरकिरी, बाहर का गुड़ मीठा।  
(b) घर के पीरों को तेल का मलीदा।  
(c) घर की बिल्ली घर में ही शिकार।  
(d) घर आये नाग न पूजिए, बामी पूजन जाय।

[b]

93. 'रोगी को बहुत घबराहट हो रही थी'। वाक्य में रेखांकित शब्द है;

- (a) संज्ञा (b) क्रिया (c) क्रिया विशेषण (d) अव्यय

[a]

94. 'वह आदमी आ रहा है', वाक्य में 'वह' की व्याकरणिक कोटि है;

- (a) संज्ञा (b) सर्वनाम (c) विशेषण (d) अव्यय

[c]

95. 'नौकर चिट्ठी लाया', वाक्य में क्रिया है;

- (a) अकर्मक (b) सकर्मक (c) पूर्वकालिक (d) प्रेरणार्थक

[b]





96. 'कसौटी' शब्द है;  
(a) तत्सम (b) तद्भव (c) देशज (d) विदेशी [b]
97. निम्न में से कौनसा 'नि' उपसर्ग से निर्मित शब्द है?  
(a) निरपराध (b) निराकार  
(c) न्यून (d) निर्मम [c]
98. निम्न में से कौनसा वाक्य अशुद्ध है?  
(a) वह क्रोध में भरकर चिल्लाने लगा।  
(b) अब मेरी बात मान लो।  
(c) वह राम का नाम लेकर चल पड़ा।  
(d) धन से रहित जीवन व्यर्थ है। [a]
99. निम्न में से कौनसा सही विलोम वर्ग नहीं है?  
(a) भिज्ञ - अनभिज्ञ (b) विधवा - सधवा  
(c) वाचाल - मूक (d) नैसर्गिक - कृत्रिम [a]
100. निम्न में से कौनसा शब्द-युग्म अर्थ की दृष्टि से त्रुटिपूर्ण है?  
(a) निर्झर - झरना निर्जर - देवता  
(b) प्रसाद - कृपा प्रासाद - महल  
(c) षष्टि - छह षष्ठी - साठ  
(d) अभिराम - सुंदर अविराम - लगातार [c]

